SA-01

December - Examination 2019

B.A. Pt. I Examination

Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

नाटक, कथा–साहित्य, छन्द एवम् अलंकार

Paper - SA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 70**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$7 \times 2 = 14$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) यौगन्धरायण ने पद्मावती से क्या याचना की?

(ii) वासवदत्ता पद्मावती की विवाह माला में कौन सी औषधि को पुनः पुनः गूंथी जाने योग्य मानती है?

(iii) उदयन के राज्य का अपहरण करने वाले शत्रु राजा का नाम क्या है?

(iv) वासवदत्ता की धाय का नाम क्या था?

(v) किस राजा के पुत्रों को नीतिज्ञ बनाने हेतु हितोपदेश की रचना की गई?

(vi) श्लेष अलंकार का लक्षण बताइये।

(vii) हरिणी छन्द का लक्षण बताइये।

खण्ड – ब **4 × 7 = 28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंकों का है।

2) किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) खगा वासोपेताः सलिलमवगाढो मुनिजनः
प्रदीप्तोऽग्निर्भाति प्रविचरति धूमो मुनिवनम्।
परिभ्रष्टो दूराद्रविरपि च संक्षिप्तकिरणो
रथं व्यावर्त्या सौ प्रविशति शनैरस्तशिखरम्।

(ii) श्रेणी समुद्वहनपार्श्वनिपीडितानि
खेदस्तनान्तरसुखान्युपगूहितानि।
उद्दिश्य मां च विरहे परिदेवितानि
वाद्यान्तरेषु कथितानि च सस्मितानि।।

3) वासवदत्ता की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये।

4) दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए –

(i) अनिर्ज्ञातानि दैवतान्यवधूयन्ते।

(ii) सर्वजनमनोऽभिरामं खलु सौभाग्यं नाम।

(iii) दुःखं व्यक्तुं बद्धमूलोऽनुरागः

स्मृत्वा स्मृत्वा याति दुःखं नवत्वम्।

(iv) साक्षिमन्न्यासो निर्यातयितव्यः।

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण लिखिए –

(i) वसन्ततिलका

(ii) उपजाति

6) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाम की सार्थकता बताते हुए नाटक का कथानक बताइये।

7) संस्कृत नीतिकथा–साहित्य ता संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8) जरद्गव गिद्ध व मार्जार की कथा का सार लिखकर उससे प्राप्त होने वाली शिक्षा बताइये।

9) किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण व उदाहरण बताइये।

(i) अनुप्रास

(ii) उत्प्रेक्षा

(iii) तुल्ययोगिता

(iv) भ्रान्तिमान

खण्ड – स **$2 \times 14 = 28$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का है।

10) किन्हीं दो पद्यों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिये –

(i) गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।
आस्वाद्यतोयाः प्रवहन्ति नद्यः
समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः।।

(ii) सुहृदां हितकामानां यः श्रृणोति न भाषितम्।
विपत् सन्निहिता तस्य, स नरः शत्रुनन्दनः।।

(iii) वरं वनं व्याघ्रगजेन्द्रसेवितं,
द्रुमालयं पक्वफलाम्बुभोजनम्।
तृणानि शैय्या, परिधान वल्कलं,
न बन्धुमध्ये धनहीनजीवनम्।।

(iv) नारिकेलसमाकारा दृश्यन्ते हि सुहृज्जनाः।
अन्ये बदरिकाकारा बहिरेव मनोहराः।।

11) नाटककार के रूप में भास के
काव्य–कौशल की समीक्षा कीजिए।

12) संस्कृत नाटक के उद्भव व विकास पर एक लेख लिखिये।

13) कर्पूरतिलक हाथी व धूर्त श्रृगाल तथा मृगकाक व क्षुद्र बुद्धि श्रृगाल की कथाओं का सारांश लिखकर कथाओं से प्राप्त होने वाली शिक्षा भी बताइये।

———